वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 206 | सोमवार 21 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विश्व सूफी संगीत समारोह जहान ए खुसरो का हुआ भव्य समापन

हुमा की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा। नूरान सिस्टर्स की जुगलबंदी से सर्द गुलाबी नगर का माहौल बना सूफियाना

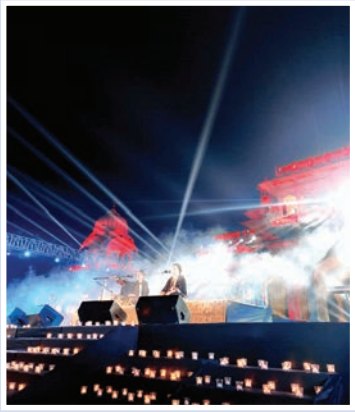

जयपुर. कासं। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय विश्व सूफी संगीत समारोह जहान ए खुसरो का भव्यता के साथ समापन हुआ। रविवार को समारोह की शुरूआत मुजफ्फर अली कृत हुमा-द सेलेश्चल बर्ड अर्थात स्वर्ण पक्षी की कहानी से हुई। हुमा के किरदार को शिंजनी कुलकर्णी ने अपनी शानदार प्रस्तुति से जीवंत कर दिया। पौराणिक पक्षी पर आधारित इस बैले नृत्य के माध्यम से असफलता और सफलता के पथ को दिखाया गया। इसमें व्यक्ति को कैसे अहंकार विनाश की ओर ले जाता है और जब जीवन चरम पर होता है तो कैसे विनम्र होना चाहिए, को दशार्या गया। इसका संगीत मुजफ्फर अली की ओर से रचित था तथा जसलीन कौर मोंगिया और शाहिद नियाजी की ओर से इसे प्रस्तुत किया गया। दो दिवसीय इस संगीत समारोह में एक से बढ़कर एक अद्भुत और अविस्मरणीय प्रस्तुतियों में संस्कृति की जीवंतता उत्सव की एक माला बनकर मंच पर उतरी। सुर, लय और ताल के भव्य आयोजन में उल्लास भरा रहा। कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ लाइट्स के फ्यूजन में सूफी संगीत, प्रेम, के साथ कई भाव नजर आयें। हर प्रस्तुति में राजस्थानी संस्कृति की झलक भी दिखाई दी। लोकप्रिय संगीतकार नूरान सिस्टर्स द्वारा सदा ए सूफी की शानदार प्रस्तुति से सर्द गुलाबी नगर में माहौल सूफियाना बन गया। नूरान सिस्टर्स ने विभिन्न संगीतमय प्रस्तुतियों से महफिल में समा बांध दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुतियों पर दर्शकों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा, आरटीडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर वी.पी. सिंह, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक मो. सलीम खान सहित अन्य उच्च अधिकारी और गणमान्य भी मौजूद रहे।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर

तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का विधान साज बाज के साथ भक्ति भाव से आयोजित हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में रविवार को मूल नायक तीर्थंकर भगवान नेमि नाथ का विधान साज बाज के साथ भक्ति भाव से आयोजित किया गया। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि मन्दिर जी में भगवान नेमि नाथ के जलाभिषेक के बाद विश्व शांति हेतु बीजाक्षर युक्त शांति धारा श्रावको द्वारा की गयी तथा इसके बाद नित्य नियम पूजन करके बाइसवें तीर्थंकर का अष्ट द्रव्य के साथ मण्डल पर श्री फल चढ़ाते हुए संगीत मय विधान किया गया । आज के कार्यक्रम का पुण्यार्जन सोभाग मल पाटनी बन्थली वाले जयपुर के परिवार ने प्राप्त किया। विधान का कार्य प. निर्मल जी धुआँ वालों ने सम्पन्न कराया तथा संगीत कार मुकुल जैन एवं पार्टी थे। उपस्थित प्रबंध समिति महिला मण्डल व युवा मंच के सदस्यों सहित सभी श्रावकों ने आज के इस विशेष आयोजन का भक्ति व श्रद्धा के साथ धर्म लाभ लिया। मन्दिर समिति द्वारा बन्थली वाले परिवार व सभी का आभार व्यक्त किया गया।

नसीराबाद का स्थापना दिवस मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद युवक पठनालय की ओर से रविवार को नसीराबाद का 205 वां स्थापना दिवस उपखंड अधिकारी अंशुल आमेरिया के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपखंड अधिकारी अंशुल आमेरिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई वहीं स्थानीय कवियों द्वारा कविता पाठ किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अनीता मित्तल, भाजपा पार्षद सरोज बिस्सा विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवीण चंद गदिया ने की महामंत्री राजेंद्र राठी ने नसीराबाद छावनी का परिचय दिया। शिवकुमार शर्मा ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

मालवीय नगर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा जिला जयपुर द्वारा डॉ अमित शर्मा सुपर स्पेशलिस्ट डेंटल हॉस्पिटल मालवीय नगर में आयोजित निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक जयपुर वासियों ने नि शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का लाभ उठाया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि शिविर में आँख, दाँत एवं प्लास्टिक सर्जन विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएँ दी, उन्होंने बताया कि श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा जिला जयपुर जनहित हेतु इस तरह के कार्यक्रम समय समय पर आयोजित करता रहता है शिविर में डॉ अमित शर्मा,(वरिष्ठ दंत चिकित्सक) डॉ वर्षा बुंदेले (सीनियर प्लास्टिक सर्जन) ,पवन सोगानी (जैन ऑप्टिकल) , डॉक्टर कानू नीमावत, डॉ कोपल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनीता जैन सचिव तरुण जैन, सांस्कृतिक मंत्री अनिता जैन, परम संरक्षक.पीयूष सोनी जैन, विमलेश राणा सहित अन्य कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

जुनून होना चाहिए मंजिल तक जाने का, फिर देखो आलस और प्रमाद को भनक भी नहीं लगेगी और मंजिल कदमों पे होगी: आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। हम प्रमाद बस कर्तव्य और अकर्तव्य से अनभिज्ञ होकर अपनी शक्ति और ऊर्जा को गलत दिशा में व्यय करते रहते हैं और जीवन के वास्तविक उद्देश्य से वंचित रह जाते हैं। मानव जीवन की सफलता मन के उत्साह और जुनून पर निर्भर करती है। जैसे एक बच्चा - माता पिता के डर से पढ़ता है और एक अपनी खुशी से पढ़ता है। दोनों की पढ़ाई में जमीन आसमान सा अन्तर है। इसी प्रकार ऋषभ प्रधान और कृषि प्रधान देश में अपने सत्कार्यों से अपने जीवन के मूल्यों को वसूला है। सत्कार्य और सत्संकल्प से शरीर की इन्द्रिय भी सहभागिनी होती है। इन्द्रियों के सहयोग के बिना कार्य की सिद्धि नहीं हो सकती। इन्द्रियों के सहयोग से मन मस्तिष्क का चिन्तन आत्म कल्याणकारी और लोक मंगलकारी हो जाता है। जैसे - इन्द्रियों के सहयोग से हमारे पैर गलत दिशा की ओर नहीं बढ़ते। हाथ अकर्म में प्रवृत्त नहीं होते। नैत्र कुत्सित दृष्टि नहीं डालते। नासिका में किसी प्रकार की दुर्गन्ध प्रवेश नहीं करती। वाणी माधुर्य रस से सराबोर हो जाती है। कर्ण फिर अप्रिय कुहरों से कलुषित होने वाले विचारों को प्रवेश नहीं देते और मन इन सबको सपोर्ट करने लगता है। माना कि ''इन्द्रियों का मैन पावर हाउस मन ही है।'' **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद विवेक गंगवाल ।**

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनक पुरी मन्दिर के सामने विधायक कोष से निर्मित सड़क का शनिवार को क्षेत्रीय विधायक काली चरण सर्राफ द्वारा फीता काटकर लोकार्पण किया गया । मन्दिर एवम् संयम भवन के मध्य की

सड़क का निर्माण मालवीय नगर क्षेत्र के विधायक कालीचरण सर्राफ द्वारा विधायक निधि से कराया गया था। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने विधायक का तिलक माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद नरेश शर्मा के अलावा जनकपुरी विकास समिति एवं जैन समाज के ज्ञान चंद देवेंद्र कासलीवाल, सुनील सेठी, सोभाग अजमेरा,मिश्री लाल काला, युवा मंच के अमित शाह, प्रतीक जैन आदि कई गणमान्य महानुभावों ने भाग लिया। विधायक सर्राफ ने सम्बोधन में कहा की जैन मन्दिर से में शुरू से जुड़ा हुआ हूँ तथा मेरी भावना रहती है की अधिक से अधिक समाज सेवा कर समाज के कार्यों को करूं। मन्दिर समिति अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन नवीन सेठी ने किया ।

''जन-जन के महावीर'' कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक और एलईडी पार्श्वनाथ कांच मंदिर परिसर श्री महावीर जी क्षेत्र में प्रारम्भ

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

भगवान श्री महावीर स्वामी के 24 वर्ष बाद होने वाले महामस्तकाभिषेक महोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न कार्यक्रमो की श्रृंखला का कांच के मंदिर परिसर में एक और एलईडी प्रसारण श्री महावीर जी क्षेत्र में प्रारम्भ हुआ। इस एलईडी को समाज श्रेष्ठी पदमचंद धाकड़ा चेन्नई निवासी द्वारा दीप प्रज्वलन और एलईडी स्क्रीन का बटन दबाकर किया गया। इससे पूर्व उनका तिलक और माल्यार्पण कर जयपुर जैन समाज श्रेष्ठी मनोज ठोलिया और कार्यक्रम प्रभारी गौतम जैन, अमन सोगानी ने स्वागत किया। इस अवसर पर चंदनबाला महिला मंडल श्री महावीरजी की कई सदस्याएं एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालूओं से भरा हुआ था। कमला बाई पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर कांच मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ज्ञानचंद झांझरी और मंत्री उजास जैन ने एलईडी स्क्रीन का अवलोकन किया और इसे धर्म की महती भूमिका के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए अपनी ओर से शुभकामना संदेश दिया। इस अवसर पर मैनेजर संजय छाबड़ा ने सारी व्यवस्थाओं को सुचारू करते हुए महोत्सव की जानकारी प्रदान की। श्रीमहावीरजी करौली में डे नाइट एलईडी 5 नवम्बर से प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दिन में 1.00 बजे तथा दिन में 3.00 बजे से रात्रि 10.00 तक संचालित हो रही है। इसमें भगवान श्री महावीर स्वामी को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला जन-जन के महावीर का प्रसारण किया जा रहा है। भक्ति भाव से भरपूर इस वृहद कार्यक्रमों की श्रंखला में भगवान श्री महावीर की अद्भुत पूजन, चांदनपुर के श्री महावीर डॉक्यूमेंट्री फिल्म, सर्वोदय श्रमण आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज की महापूजन, महोत्सव पर समाज एवं अन्य जन प्रतिनिधियों के विचारो, शुभकामना संदेशो का प्रसारण, भारत के 48 सिद्ध क्षेत्रों और अतिशय क्षेत्रो की वंदना को समर्पित श्री भक्तामर अनुष्ठान तथा श्री महावीर स्वामी की महाआरती का समावेश किया गया है। जन-जन के महावीर कार्यक्रम के प्रभारी गौतम जैन ने बताया कि इस वृहद जन जन के महावीर कार्यक्रम को श्री महावीरजी में होने वाले महामस्तकाभिषेक को देखते हुए श्री विद्यासागर कार्मिक जगत समाचार पत्र जयपुर द्वारा धर्म प्रभावना एवं जन जागृति के उद्देश्य से तैयार किया गया है। पूजा और भक्तामर में विश्व की सुप्रसिद्ध बाल गायिका निष्ठा जैन जयपुर की मधुर आवाज के साथ श्री महावीर जी क्षेत्र के मनोरम दृश्यों का प्रसारण किया जाएगा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि चांदनपुर के श्री महावीर के नाम से नव निर्मित डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण एक साथ कई राष्ट्रीय चैनल के माध्यमों के साथ संपूर्ण विश्व में 5 नवंबर से किया जा रहा है इसके पोस्टर का विमोचन आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में मालवीय नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जयपुर में हुआ था।

भाग्य बदलना है तो स्वभाव बदलो: स्वस्ति भूषण माताजी

गुढाचन्द्रजी के दिगम्बर जैन मंदिर में सोमवार को होगा मंगल प्रवेश। अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में गुरुवार 24 नवम्बर को होगा भव्य मंगल प्रवेश प्रवेश

भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री स्वस्ति भूषण माताजी का मोहचीपुरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

हम भगवान को याद करते हैं तो हमारे पाप कटते हैं। जो पिछले कर्म किये थे वो हमारा वर्तमान है ,जो कर्म अभी कर रहे हैं, वो हमारा भविष्य हैं। भगवान से भाग्य बदल सकता है। भाग्य बनाने वाले भी हम हैं और भाग्य

बिगाड़ने वाले भी हम ही हैं। हमारा स्वभाव ही हमारा भाग्य बनाता है। सुख चाहिए तो वात्सल्यमयी स्वभाव बनाओ, धर्ममयी स्वभाव बनाओ। अपने स्वभाव को बदल लो, आपका भाग्य बदल जाएगा। धार्मिक स्वभाव बनाओ बिना स्वार्थ के एक काम रौजाना करना चाहिए। अतः भाग्य बदलना है तो स्वभाव बदलो। ये उदगार भारत गौरव स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने मोहचीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में रविवार,20 नवम्बर को आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। धर्म सभा के शुरू में मंगलाचरण मनीष चौधरी ने प्रस्तुत किया। धर्म सभा का संचालन राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा 'ने किया। इससे पूर्व माताजी ससंघ का नया कुआं के राजकीय प्राथमिक विद्यालय से मंगल विहार होकर श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के बैनर तले जयपुर से श्री महावीरजी गये सैकड़ों बस यात्रियों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मोहचीपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में जयकारों के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के मुख्य संयोजक मनीष चौधरी, श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन,मनीष लुहाडिया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, देवेन्द्र गिरधरवाल,पवन जैन,संगिनी फार्म जेएसजी मेट्रो जयपुर की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन 'कोटखावदा',जयपुर से श्रीमती पुष्पा सोनी, बाड़ा पदमपुरा से मनोज सोनी, सिकंदरा से चन्द्र कान्ता लुहाड़िया सहित जयपुर,रैनवाल,तिजारा, गुढ़ाचंद्रजी, दौसा, सिकंदरा एवं आसपास के गांवों कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। इससे पूर्व श्री दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय समिति श्री महावीरजी के अध्यक्ष सी पी जैन, मंत्री उजास जैन, उपाध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी आदि ने माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि सायंकाल महाआरती, गुरु भक्ति एवं आनन्द यात्रा के आयोजन किए गए। रात्रि विश्राम भी यही हुआ। सोमवार,21 नवम्बर को प्रातः 7.00 बजे मोहचीपुरा से माताजी ससंघ का गुढ़ा चन्द्र जी के श्री दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा। गुढ़ाचंद्रजी में प्रातः 8.00 बजे गाजो बाजों एवं विशाल जुलूस के साथ मंगल प्रवेश होगा। पूजनीया माताजी ससंघ के सानिध्य में अभिषेक, शांति धारा के बाद धर्म सभा में माताजी के मंगल आशीर्वचन होंगे। श्री जैन के मुताबिक पूजनीया माताजी ससंघ श्री महावीर जी में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में 24 नवम्बर से होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं 27 नवम्बर से होने वाले भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में सहभागिता निभाएंगी। श्री जैन ने बताया कि माताजी ससंघ का श्री महावीरजी में गुरुवार,24 नवम्बर को प्रातः 7.00 बजे विशाल जुलूस के साथ मंगल प्रवेश होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे। श्री जैन ने बताया कि माताजी का मंगल विहार बाडा पदमपुरा से जयपुर,दौसा, श्रीं महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए हो रहा है।

वेद ज्ञान

आध्यात्मिक आकांक्षाएं...

आधुनिक युग सामाजिक अराजकता का युग है। इसे बौद्धिक क्रूरता का युग भी कहा जा सकता है। ऐसा लगता है कि सभ्यता रुग्ण हो चुकी है। इस संताप से मनुष्य को मुक्ति तभी मिल सकती है जब उसका जीवन आध्यात्मिक आकांक्षाओं से परिपूर्ण हो जाए। इस रोग का निदान आध्यात्मिक मूल्यों में खोजना होगा, भौतिक संपदाओं में नहीं। इस वैज्ञानिक युग में हमें बहुत कुछ करने की जानकारी है, किंतु हम यह नहीं जानते हैं कि ऐसा हम किसलिए कर रहे हैं। इसे बोधि के स्तर पर समझना है। आज जरूरी हो गया है कि हम अपनी बुद्धि की सीमा को पहचानें। स्वामी रामतीर्थ कहते हैं कि 'आध्यात्मिक आकांक्षाओं की उपेक्षा अब अधिक समय तक नहीं की जा सकती है।' आध्यात्मिक मूल्यों से ही जीवन-दृष्टि बदलेगी और सत्य का दीदार होगा। मनुष्य प्रकृति का मात्र घटक नहीं है, बल्कि वह प्रकृति का स्वामी है। मनुष्य के भीतर सौम्य आकांक्षाएं निहित हैं, जो अखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हैं, जो सत्य को निरंतर प्रकट कर रही हैं। जीवन के इस शिवतत्व का साक्षात्कार बुद्धि के अतिक्रमण के बाद ही संभव है। बुद्धि ज्ञान की अंतिम सीमा नहीं है। उसके आगे बोधि की यात्रा चलती है। इसलिए 'सत्य-शिव-सुंदर' का बौद्धिक ज्ञान भले न हो, किंतु संबोधिक चेतना के स्तर पर उसका स्पष्ट बोध होता है। एक विशेष संदर्भ में 'शिवत्व' भले ही अज्ञेय हो, किंतु बोधि के स्तर पर उसकी सद्यः अनुभूत होती है। परम सत्ता बुद्धि के स्तर पर अज्ञेय होते हुए भी बोधि के स्तर पर साक्षात अनुभूत है। परम सत्ता की अज्ञेयता इस बात की चुनौती है कि हम अपनी बुद्धि की सीमा पहचानें। बुद्ध का बुद्धत्व इसी बोधि का संकेत है जिसे दिव्य ज्ञान का आयाम कहा जाना चाहिए। बौद्धिक ज्ञान खंडित है और संबोधिक ज्ञान अखंड और स्वतःसिद्ध है। इस कोटि का ज्ञान आत्मा की सद्यः अनुभूति है। यदि मैं कहूं कि मैं नहीं हूं तो भी मैं हूं, क्योंकि मैं ही कहता हूं कि मैं नहीं हूं। इसलिए खंडन करने से भी इसका मंडन हो जाता है। प्रकाश की तरह यह स्वयं प्रमाणित है।

संपादकीय

तूल पकड़ता राजीव गांधी के दोषियों का विवाद

कई बार आपराधिक मामलों में सजा पाए दोषियों को उनके आचरण को देखते हुए अदालतें सजा कम कर और समय से पहले रिहा कर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों को भी सर्वोच्च न्यायालय ने इसी आधार पर समय से पहले रिहा कर दिया। अदालत ने कहा है कि दोषियों का जेल में आचरण अच्छा था, उन्होंने किताब लिखी, समाज सेवा की और डिग्री भी हासिल की। मगर केंद्र सरकार ने इस फैसले को नैसर्गिक न्याय नहीं माना है। उसका कहना है कि इस मामले में फैसला सुनाते वक्त उसे पक्षकार नहीं बनाया गया। उसका पक्ष भी सुना जाना चाहिए था। केंद्र ने इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। हालांकि राजीव गांधी की हत्या के छह दोषियों को रिहा करने का प्रस्ताव तमिलनाडु मंत्रिमंडल ने चार साल पहले पारित कर राज्यपाल से इसके लिए अनुरोध किया था। दोषियों में से एक को मई में ही रिहा कर दिया गया था और तभी सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि बाकी दोषियों को भी इसी आधार पर रिहा किया जा सकता है। मगर इस मामले में केंद्र सरकार की आपत्ति और फैसले पर पुनर्विचार की अपील उचित है। हालांकि राजीव गांधी के परिजनों ने मानवीय सहानुभूति दिखाते हुए हत्या के दोषियों की रिहाई पर एक तरह से सहमति दे दी थी, मगर कांग्रेस पार्टी ने सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले का विरोध किया। केंद्र सरकार का तर्क वाजिब है कि याचिकाकर्ताओं की अपील में प्रक्रियात्मक कमी होने की वजह से केंद्र सरकार को पक्षकार नहीं बनाया जा सका, मगर पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के दोषियों की रिहाई से पहले उसका पक्ष सुना जाना चाहिए था। इस हत्या में शामिल लोगों ने बकायदा साजिश रच कर आतंकी गतिविधि को अंजाम दिया था। उनमें से तीन श्रीलंका के नागरिक हैं। अगर इस तरह समय से पहले किसी आतंकी घटना में शामिल लोगों को रिहा कर दिया जाएगा, तो उससे पूरी दुनिया में गलत संदेश जाएगा। यह पूरी तरह से भारत सरकार की संप्रभु शक्तियों के अधीन आता है। केंद्र के तर्क को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। मगर जब करीब छह माह पहले सातवें दोषी को रिहा किया गया था, तभी केंद्र को यह याचिका दायर कर देनी चाहिए थी। देर से ही सही, इस मामले में अदालत से पुनर्विचार की अपेक्षा स्वाभाविक है। सामान्य अपराध के मामलों में इसलिए अदालत का समय से पूर्व रिहा कर देने का फैसला उचित मान लिया जाता है कि उनमें दोषियों के फिर से अपराध की दुनिया में न लौटने और उनसे समाज को कोई खतरा न होने का तर्क सहज स्वीकार्य होता है। मगर राजीव गांधी की हत्या सामान्य अपराध नहीं, बल्कि एक देश के पूर्व प्रधानमंत्री की साजिश रच कर आतंकवादी समूह के लोगों द्वारा की गई थी। उनसे बेशक अब समाज को कोई खतरा न हो, पर इस रिहाई से दूसरे आतंकियों का मनोबल बढ़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है और दूसरे देशों के साथ लगातार इस मामले में सहयोग संबंधी समझौते करता रहा है। ऐसे में अगर उसी के एक प्रधानमंत्री की हत्या के दोषी आतंकवादियों को सजा पूरी होने से पहले ही रिहा कर दिया जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संदेश जाएगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उम्मीद का अंतरिक्ष

भारत अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में लगातार तरक्की कर रहा है। पहले उसे अपने अंतरिक्ष यानों के प्रक्षेपण के लिए दूसरे देशों की मदद लेनी पड़ती थी, मगर अब उसने स्वदेशी प्रक्षेपण यानों का निर्माण कर न सिर्फ आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है, बल्कि उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में अमेरिका, रूस और चीन से प्रतिस्पर्धा भी करने लगा है। भारत में उपग्रह प्रक्षेपण का शुल्क बाकी देशों की तुलना में काफी कम होने की वजह से अनेक देश अब यहीं से अपने उपग्रहों का प्रक्षेपण कराना उचित समझते हैं। इस मामले में एक नया कीर्तिमान रचा है, स्काईरूट नाम की एक निजी कंपनी ने पहली बार राकेट प्रक्षेपित करके। यह पहला मौका है, जब कोई निजी कंपनी उपग्रह प्रक्षेपण के क्षेत्र में उतरी है। हालांकि भारत सरकार ने दो साल पहले ही निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए भी अंतरिक्ष अनुसंधान का क्षेत्र खोल दिया था, उसी के तहत विक्रम एस नाम का यह निजी कंपनी का राकेट तैयार किया गया। इस राकेट ने दो घरेलू और एक विदेशी कंपनी के उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने का बीड़ा उठाया। यह प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र के दिशा-निर्देशों के तहत ही किया गया। हालांकि जब अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में निजी कंपनियों के लिए छूट का प्रस्ताव पारित हुआ था, तब तरह-तरह के संदेह जाहिर किए गए थे। कई लोगों का मानना था कि इससे इसरो की गोपनीयता भंग होगी और यहां की तकनीक चोरी होने का खतरा बना रहेगा। मगर स्काईरूट के पहले राकेट प्रक्षेपण से वे तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित होती नजर आ रही हैं। दरअसल, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभी असीम संभावनाएं हैं और अनेक वैज्ञानिक निजी स्तर पर बहुत कुछ करना चाहते हैं, मगर उन्हें इसरो और दूसरे देशों के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की तरफ से उचित मदद नहीं मिल पाती। अब ऐसे वैज्ञानिक अंतरिक्ष को अपने ढंग से खंगाल सकेंगे और नई संभावनाओं के मार्ग खोलने में मदद कर सकेंगे। जिन तीन कंपनियों के उपग्रह अभी छोड़े गए हैं, वे स्टार्ट-अप कंपनियां हैं और वे अंतरिक्ष में कचरा प्रबंधन जैसे कार्य करने को उत्सुक हैं। दरअसल, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सरकारी स्तर पर हो रहे कार्यों में कई तरह की वैधानिक जटिलताएं होती हैं, जिसके चलते उनमें अनावश्यक देर होती रहती है या फिर वैज्ञानिक कई परियोजनाओं पर आगे नहीं बढ़ पाते। निजी क्षेत्र के अनुसंधान में ऐसी अड़चनें नहीं आतीं। इसलिए इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने से निस्संदेह अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में उल्लेखनीय काम हो सकेंगे। आज जिस तरह हर काम डिजिटल तकनीक पर निर्भर होता गया है, उसमें उपग्रहों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो गई है। इसलिए उपग्रह प्रक्षेपण का कारोबार ही काफी बड़ा होता गया है। फिर अंतरिक्ष के अनेक रहस्य अभी बहुत उलझे हुए हैं। अभी तक ज्यादातर जानकारियां सौरमंडल से ही जुड़ी हुई प्राप्त हो पाई हैं, जबकि इसके पार भी बड़ा संसार है। वहां तक पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे में अगर निजी कंपनियां अपने संसाधनों के जरिए इस दिशा में कुछ वैज्ञानिक योगदान देने और संभावनाओं के दोहन में मदद करती हैं, तो उन्हें प्रोत्साहन मिलना ही चाहिए। दुनिया में कुछ कंपनियां अब दूसरे ग्रहों और अंतरिक्ष की सैर की योजनाएं भी बनाने लगी हैं।

श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी गुरुदेव ससंघ का चातुर्मास समापन

भव्य पिच्छी परिवर्तन कार्यक्रम भी हुआ

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी गुरुदेव सघंघ का चातुर्मास समापन के साथ पिच्छी परिवर्तन कार्यक्रम हुवा।जिसमे नया मंदिर से कार्यक्रम स्थल पर पिच्छी को जुलूस के साथ बाहर से आये भक्तों ने लाकर अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर कलश वितरण का कार्य भी गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद के साथ सम्पन्न हुआ। गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह पिच्छी परिवर्तन नहीं हृदय का परिवर्तन हैं यह पिच्छी कोई शोभा की वस्तु नहीं यह तो एक साधना का उपकरण है निर्गंथचर्या का परम उपकरण है बिना पिच्छी के साधु सात कदम से आगे नहीं जा सकते यदि पिच्छी नहीं हो तो कोई नमोस्तु भी नहीं करेगा। पिच्छी के बिना समिति का पालन नहीं हो सकता। संयम का आधार, अहिंसा का प्रतीक है पिच्छी एक साल में परिवर्तन जरूरी है क्योंकि पिच्छी की एक साल में मृदुता नष्ट होने लगती है इसलिए अहिंसा के पालन में बाधक होती है इसलिए पिच्छी बदलना जरूरी रहती है पिच्छी के विशेष पाँच गुण होते है। मृदुता, लघुता, सुकुमता, अराजकता और पसीना को ग्रहण नही करती। यह पिच्छी मोर के पंखो से प्राप्त होती है यह भी अहिंक होती है क्योंकि जब मोर के नए पंख आने लगते है तो वह पुराने पंखों को छोड़ देती है और उसे उठाकर, इकठा करके पिच्छी बना लेते हैं। यह पिच्छी इतनी कोमल होती है कि यदि पंख आँख में भी चला जाएँ तो इससे कोई हानि नहीं होती वैसे तो पिच्छी के अनेको गुण है वह धूल ,मिट्टी,पानी आदि किसी को ग्रहण नहीं करती साथ ही इतनी कोमल होती है कि जीवों के प्राणों की भी रक्षा होती है। गुरुदेव विशल्यसागर जी महाराज की पुरानी पिच्छी ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सुरेन्द्र जैन काला एवं विनिशोध सागर जी महाराज की पुरानी पिच्छी ग्रहण करने का सौभाग्य ललित जैन सेठी जी को प्राप्त हुआ। ऐलक तत्त्वार्थ सागर जी महाराज की पुरानी पिच्छी ग्रहण करने का सौभाग्य मनोज जैन गंगवाल, को प्राप्त हुई तथा क्षुल्लिका विसाम्य श्री माता जी की पुरानी पिच्छी ग्रहण करने का सौभाग्य रूपेश जैन छाबड़ा को प्राप्त हुई। सभी कार्यक्रम संघस्थ अलका दीदी,भारती दीदी के निर्देशन में हुये। इस अवसर पर समाज के मंत्री ललित सेठी,सह मंत्री राज छबड़ा, मार्ग निर्देशक सुरेश झांझरी,सुशील छाबड़ा, प्रदीप छाबडा,जय कुमार गंगवाल, मनीष सेठी, मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा, दिलीप बाकलीवाल, बिकास पाटोदी, ऋषभ सेठी, महिला संगठन की अध्यक्ष नीलम सेठी मंत्री आशा गंगवाल, मंच संचालन सुबोध गंगवाल ,गया से आई सुगन्धा जैन, स्थानीय पंडित अभिषेक जैन, साथ ही पूरे समाज के लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। **कोडरमा मीडिया नविन जैन, राजकुमार अजमेरा ने दी**

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा योगा एक्यूप्रेशर एवं रेकी कैंप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के तत्वावधान मे योगा एक्यूप्रेशर एवं रेकी कैंप 20 नवंबर को श्री दिगंबर जैन मंदिर वर्धमान सरोवर कैंप आयोजित किया गया। मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी ने बताया कि सुनीता जैन योग एक्यूप्रेशर ने स्लिप डिस्क, घुटनों का दर्द, सिर दर्द,कमर दर्द सर्वाइकल एवं नसों की समस्या के बारे में विस्तार से बताया। ग्रुप अध्यक्ष अभय गंगवाल ने बताया कि श्वेता जैन ने रेकी के लाभ शारीरिक तनाव एवं बेचनी से छुटकारा ,वितीय समाधान, रिश्तो एवं संबंधों में सुधार के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष मनीष झाझरी, अजय जैन संयोजक, प्रमोद सुनीता पाटनी, जैन कुमार जैन रेखा ,अंजना गंगवाल ,योगेश जैन, मुनिया सौगनी,चाहत संस्था के बच्चे, वर्धमान सरोवर विकास समिति के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में चौंसठ रिद्धि मंत्रों के अर्घ समर्पित किये

तीर्थ के दर्शन कर आनंद आ गया : अजय कटारिया

तीर्थ क्षेत्र में महा मंडल रचाने का महत्व कई गुना है:विजय भइया

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

बहुत सारे विधान किए लेकिन दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में पहली बार सिद्धो की महा आराधना रुप सिद्धचक्र महा मंडल विधान हम कर रहे हैं इस तीर्थ के कण कण से आनंद वर्ष रहा है जिस जिनालय में कदम रखो वहीं पैर थम जातें हैं जिधर देखो उधर विशाल प्रतिमा ही प्रतिमा यें नजर आती है प्रकृति की गोंद में बसा यह तीर्थ महा तीर्थ की ओर अग्रसर है बस इस तीर्थ को प्रतिक्षा है तो मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज की पहले से ही उनकी प्रेरणा से सहस्त्र कूट के साथ अशीम कालिन भक्तामर मंडल विधान की घोषणा कर दी है । आज केकड़ी निवासी जयपुर प्रवासी श्रावक श्रेष्ठी अजय कटारिया परिवार, उम्मेदमल लोकेश पांड्या जयपुर, नरेश रावका परिवार जयपुर सहित अन्य भक्तों ने अशीम कालिन भक्तामर में नाम दर्ज कराये है उक्त आश्य के उद्गार श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान सभा को सम्बोधित करते हुए प्रतिष्ठा चार्य विजय भइया ने व्यक्त किए । इसके पहले जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा भइया जी के श्री मुख से हुई।

महामंडल विधान में चौंसठ रिद्धि मंत्रों के अर्घ समर्पित किए

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आज हमारे बीच परम पूज्य गुरुदेव मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के परम भक्त उम्मेदमल पांड्या, अजय संजय कटारिया, नरेश रावका अपने पूरे परिवार के साथ पधारें है दर्शनोदय तीर्थ कमेटी आपका अभिनन्दन करते हुए आपको क्षेत्र का परम संरक्षक बनाने का भाव कर रही है । हमारे संरक्षक मनोज कुमार, नीरज कुमार भोला स्टूडियों परिवार के भाव महा आराधना के बने और विजय भइया ने इसे आकार दिया हम महा आराधना में चौंसठ रिद्धि मंत्रों के साथ प्रभु चरणों में अर्घ समर्पित कर रहे हैं इसके पहले पुण्यर्जक परिवार के साथ भक्तों ने मंडल पर शान्ति कलश व मंगल कलशों की स्थापना की।

जगत कल्याण के लिए महा शान्ति की

इसके पहले थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का महाभिषेक सौधर्म बनकर अजय, विजय, संजय कटारिया जयपुर, इंसान इन्द्र उत्तमचन्द पांड्या जयपुर, सनत इन्द्र नरेश रावका जयपुर, माहेन्द्र इन्द्र प्रमोद बाकलीवाल ने बनकर जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की। इस दौरान मनोज भोला, संजीव श्रंगार सहित अन्य भक्तों ने भी सौभाग्य प्राप्त किया। इस दौरान भक्तों की जय जय कार के बीच भगवान का एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया गया। इस दौरान छत्र और चमर भी भक्तों द्वारा प्रभू के दिव्य दरवार में समर्पित किए गए।

जैन तीर्थ नैनागिरि में हुई चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा की मांग को लेकर दलपतपुर मे प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

नैनागिरी/मध्यप्रदेश. शाबाश इंडिया

जैन तीर्थ नैनागिरि के मंदिरों से पिछले 8 दिन पूर्व हुई चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करने की मांग को लेकर सुबह दलपतपुर की जैन समाज व ग्राम वासियों ने रैली प्रदर्शन कर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री एवं डीजीपी के नाम पुलिस चौकी प्रभारी दलपतपुर को ज्ञापन सौंपा। दलपतपुर जैन समाज के मोतीलाल सांधेलिया व सतेन्द्र लोहिया ने बताया कि पिछली 11- 12 नवंबर की दरम्यानी रात में जैन तीर्थ नैनागिरि के गिरिराज पर स्थित मंदिरों के समूह में से मंदिर क्रमांक 34, 35, 36, 37 एवं 40 व मूलनायक पारसनाथ जिनालय चौबीसी जिनालय के दरवाजे चैनल के ताले सांकर कुंडी आदि काटकर चांदी की कीमती सामग्री तथा दान पेटी में रखे रुपये सहित करीब पांच लाख रुपए की चोरी कर बदमाश भाग गए थे ,जिस चोरी का अभी तक पुलिस ने खुलासा नही किया और अपराधी बदमाशों को गिरफ्तार कर सामग्री बरामद नहीं करने से दुखी होकर रैली प्रदर्शन ज्ञापन सौंपा हैं। जैन समाज व ग्रामवासियों ने ज्ञापन में मांग की है कि अगर तीन दिवस में इसका खुलासा नही किया गया तो उग्र जनआंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी सभी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन में सिद्धक्षेत्र नैनागिरि को पवित्र क्षेत्र घोषित करते हुए नैनागिरि सहित सभी क्षेत्रों के धर्मायतनों की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध है किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस

प्रदर्शन में मोतीलाल सांधेलिया, विनोद मोदी, सचेंद्र लोहिया,सुनील लंबरदार, विकास मोदी, सुमंत लोहिया, मिथिलेश दिवाकर, नरेंद्र लंबरदार मुकेश सांधेलिया ,नरेंद्र लोहिया, उपेंद्र मोदी, ज्ञानचंद चौधरी, राजेश घड़ी, नवीन चंदेरिया,निखिल जैन सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। नैनागिरि की घटना को लेकर शासन प्रशासन से जनप्रतिनिधि, विभिन्न संघठनों प्रतिनिधि निरंतर संपर्क कर खुलासा करने की मांग की जा रहा है जिसमें सागर विधायक शैलेंद्र जैन व पूर्व विधायक सुनील जैन के नेतृत्व में सागर की विभिन्न कमेटियों के प्रमुख पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने आईजी सागर को ज्ञापन सौंपकर मांग की, इसी प्रकार छतरपुर में भी अपर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपें जाने के साथ ही नैनागिरि तीर्थ के ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश जैन आईएएस के नेतृत्व में भोपाल में डीजीपी सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर अपनी मांग रखी।

आचार्य श्री इंद्र नंदी जी ने कहा...

जिस व्यक्ति ने ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर लिया हो वह स्वर्ग में जाता है

फागी. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी फागी में आचार्य 108 श्री इद्रनंदी जी महाराज, मुनि 108 श्री क्षमानंदी जी महाराज के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, कार्यक्रम में आचार्य श्री इद्रनंदी जी महाराज ने भरी धर्म सभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया कि जो व्यक्ति धन संपत्ति का मालिक है परंतु इंद्रियां जिसके बस में नहीं है वह इंद्रियों को वश में नहीं रखने के कारण धन संपत्ति से भी वंचित हो जाता है, तथा जिस व्यक्ति ने ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर लिया है वह स्वर्ग में जाता है। उक्त समय समाज के वयोवृद्ध फूलचंद पंसारी, सोहन लाल झंडा, कैलाश पंसारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति पूर्व प्रधान महावीर जैन, सुकुमार झंडा, महेंद्र बावड़ी, अनिल कठमाणा, गणेश कठमाणा, कमलेश चौधरी, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबू गोधा सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे। कार्यक्रम समापन बाद आचार्य श्री ने सभी भक्तजनों को मंगलमय आशीर्वाद दिया।

श्रीमान पदम जैन बिलाला

अध्यक्ष : जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर जयपुर
अध्यक्ष : सांगाका बास (जिला जयपुर) जैन मन्दिर
कार्याध्यक्ष : अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : अखिल भारतीय किशनगढ़ रेनवाल प्रवासी मण्डल
मुख्य संयोजक : श्री दिगंबर जैन समाज समिति टोंक रोड संभाग, जयपुर
क्षेत्रीय सचिव : CBROA राजस्थान
निदेशक : JPB Social Foundation
कार्य. सदस्य : जैन मन्दिर महासंघ राजस्थान।
कार्य. सदस्य : राज. जैन साहित्य परिषद।
महासमिति सदस्य : दिगम्बर जैन संस्कृत कॉलेज, जयपुर।
प्रातीय अध्यक्ष : अ. भा. धर्म जागृति संस्थान
प्रांतीय उपाध्यक्ष : अ. भा. दि. जैन महासभा (धर्म संरक्षिणी)
मुख्य ट्रस्टी : ताईजी चेरिटबल ट्रस्ट, जयपुर।

मोबाईल नम्बर
9314024888

को जन्म दिन (21 नवम्बर) की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु : सकल जैन समाज, जयपुर

आर्यिका सूत्रमति माताजी ने कहा...

मनुष्य जीवन आत्म कल्याण के लिए मिला है

राघौगढ़ में कल्पद्रुम महामंडल विधान के तीसरे दिन अनेक कार्यक्रम हुए

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी राघौगढ़ में दिनांक 18 नवंबर से चल रहे श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के तीसरे दिन प्रातः भगवान का अभिषेक पूजन शांति धारा के बाद विधान की पूजन प्रारंभ हुई। इसी बीच मंगल प्रवचन करते हुए आर्यिका सूत्र मति माताजी ने कहा हमे मनुष्य जन्म पाकर इस जीवन को व्यर्थ नहीं खोना चाहिए। आत्म कल्याण की ओर लगाना चाहिए। संघस्थ आर्यिका विरत मति माताजी का अवतरण दिवस मनाते हुए उन्हें श्रावकों ने जिनवाणी भेंट की। जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य प्रशांत अरविंद कुमार, प्रशांत कुमार रिटायर्ड तहसीलदार राघौगढ़, संतोष कुमार, अनिल कुमार जैन बलियत परिवार, डॉक्टर अजित कुमार, अनिल कुमार रावत परिवार, राज कुमार, अजय कुमार, संजय कुमार भरसूला परिवार, राजकुमार जैन विद्या साहित्य सदन साडा कालौनी राघौगढ़ को मिला। आज शांति धारा करने का सौभाग्य संजीव कुमार,राजीव कुमार जैन परिवार गुना एवं विजय कुमार, विपिन कुमार, विकास कुमार जैन पत्रकार परिवार को मिला । जैन पाठशाला कुंभराज के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की गौरव गाथा नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत की। दिल्ली से पधारे सत्येंद्र शर्मा कंठस्थ कला केन्द्र के कलाकारों ने देशभूषण कुलभूषण मुनि राज की वैराग्य कथा का मंचन किया। श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन संत सुधा सागर धाम में किया जा रहा है । यहां पर भव्य संभव शरण का निर्माण किया है। विधान में भरत चक्रवर्ती बनने का सौभाग्य अशोक कुमार , राजेश कुमार भारिल्य परिवार सौधर्मेंद्र राजेंद्र कुमार, सिद्धार्थ कुमार जैन, कुबेर पवन कुमार, सार्थक कुमार जैन, महायज्ञ नायक वीरेंद्र कुमार, विवेक कुमार जैन डोंगर, बाहुबली अशोक कुमार, राजेश कुमार जैन भरसूला वाले, ईशान यंत्र प्रमोद कुमार, प्रियंक कुमार चौधरी परिवार, सनत कुमार इंद्र अजय कुमार, मोहित कुमार रावत परिवार, महेंद्र इंद्र मुकेश कुमार, प्रियंक कुमार जैन परिवार, विधान के द्रव्य के पुण्यार्जक परिवार मनोज कुमार, जितेंद्र कुमार जैन राघौगढ़ है। विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की समस्त धार्मिक प्रक्रियाएं बाल ब्रह्मचारी सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप जैन सुयश अशोकनगर के सानिध्य में संपन्न हो रही हैं ।कोलारस जिला शिवपुरी से सुप्रसिद्ध संगीतकार सुनील जैन अपने साथियों के साथ आए हैं।

जैन मुनि अनुमान सागर महाराज का कोटखावदा जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया।

कोटखावदा। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जैन मुनि अनुमान सागर जी महाराज का गाजे-बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ प्रचग्र- प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया की छोटा गिरनार से बापूगांव से विहार करने के बाद कोटखावदा में मंगल प्रवेश हुआ मुनि श्री को परम्परागत तरीके से विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिरजी में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मुनि श्री का मार्ग में मंगल प्रवेश पर अगवानी करते हुए पाद प्रक्षालन करके आरती की इसके बाद महाराज ने मंदिर में विराजमान मूलनायक भगवान आदिनाथ के दर्शन किए । जयपुर से पधारे सात दिन मंदिर अध्यक्ष विमल जैन, समाजसेवी अशोक जैन गुढ़ाचंद्रजी, गोपाल गोधा, नरेंद्र जैन, राहुल जैन का कोटखावदा का जैन समाज ने माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया । इस दौरान मंदिर अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री दीपक वैद, रीतेश वैद, अशोक पाटोदी, शांति लाल चांदवाड, पंकज वैद, चेतन गंगवाल आदि समाज बंधु उपस्थित रहे ।

आर्यिका सुदृढ़मति माताजी का सुजानगढ़ की ओर मंगल विहार हुआ

लाडनूं. शाबाश इंडिया। स्थानीय दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में प्रवासरत प्राकृत केसरी आचार्य सुनील सागर महाराज की सुशिष्या आर्यिका सुदृढ़मति माता, आर्यिका सुस्वरमति माता तथा संयतमति माता ने प्रातः 6:30 दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के दर्शन उपरांत कल रविवार को सुजानगढ़ की ओर मंगल विहार किया। प्रबंध कमेटी के सदस्य विकास पाण्ड्या ने बताया कि आर्यिका संघ ने विहार के दौरान आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नसिया के दर्शन कर सुजानगढ़ की ओर प्रस्थान किया। सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सेठी ने बताया कि इस पदयात्रा में लाडनूं, सुजानगढ़ व नागौर से जैन समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। जिसमें उपाध्यक्ष भागचंद जैनाग्रवाल, महेंद्र गंगवाल, विकास बड़जात्या, पत्रकार संतोष गंगवाल, रजनीश मच्छी, शरद जैन सुधांशु, आकर्ष जैन, मंत्री धर्मचंद गोधा, महिलाओं में डॉ मनीष जैन, कविता पहाड़िया, अनीता गोधा, साक्षी जैन, उत्सवी पहाड़िया व सुजानगढ़ जैन समाज अध्यक्ष सुशील जैन, साडूवाला, मंत्री पारसमल बगड़ा, शैलेंद्र जैन आदि लोगों ने आर्यिका माता के साथ पदयात्रा की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com